प्रपत्र–27 2.22

परियोजना का नाम	:–	**जनपद पौडी गढवाल में प्रधानमन्त्री ग्रामीण सड़क योजना के अन्तर्गत प्रस्तावित कि0मी0 57 के टी02 (ओ0डी0आर0) से मंजोखी मोटर मार्ग (7.600 कि0मी0) के नव निर्माण हेतु वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव।**

राष्ट्रीय पार्कों / वन्य जीव अभ्यारण में प्रस्तावित कार्य करने से पूर्व मान्य उच्चतम न्यायालय एवं भारतीय वन्य जीव परिषद की अनुमति।

कनिष्ट अभियन्ता
सिंचाई खण्ड,,
पी0एम0जी0एस0वाई0, कोटद्वार,
पौड़ी गढवाल

सहायक अभियन्ता
सिंचाई खण्ड,,
पी0एम0जी0एस0वाई0, कोटद्वार,
पौड़ी गढवाल

अधिशासी अभियन्ता
सिंचाई खण्ड,,
पी0एम0जी0एस0वाई0, कोटद्वार,
पौड़ी गढवाल

प्रपत्र–54 2.23 (118)

परियोजना का नाम	:–	**जनपद पौडी गढवाल में प्रधानमन्त्री ग्रामीण सड़क योजना के अर्न्तगत प्रस्तावित कि0मी0 57 के टी02 (ओ0डी0आर0) से मंजोखी मोटर मार्ग (7.600 कि0मी0) के नव निर्माण हेतु वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव।**

वन संरक्षण अधिनियम, 1980 का उल्लघन न होने का प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि प्रश्नगत परियोजना के निर्माण हेतु आवेदित वन भूमि पर वन संरक्षण अधिनियम, 1980 का उल्लंघन नहीं हुआ है।

कनिष्ट अभियन्ता
सिंचाई खण्ड,,
पी0एम0जी0एस0वाई0, कोटद्वार,
पौड़ी गढवाल

सहायक अभियन्ता
सिंचाई खण्ड,,
पी0एम0जी0एस0वाई0, कोटद्वार,
पौड़ी गढवाल

अधिशासी अभियन्ता
सिंचाई खण्ड,,
पी0एम0जी0एस0वाई0, कोटद्वार,
पौड़ी गढवाल

वन क्षेत्राधिकारी

प्रतिहस्ताक्षरित
प्रभागीय वनाधिकारी
भूमि संरक्षण वन प्रभाग
लैंसडौन (गढ़वाल)

प्रपत्र–28 2.24 (I)

परियोजना का नाम	:–	जनपद पौडी गढवाल में प्रधानमन्त्री ग्रामीण सड़क योजना के अन्तर्गत प्रस्तावित कि0मी0 57 के टी02 (ओ0डी0आर0) से मंजोखी मोटर मार्ग (7.600 कि0मी0) के नव निर्माण हेतु वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव।

प्रभावित होने वाली ग्रामों के आम सभाओं का अनापत्ति प्रमाण पत्र।

शादणाखाल गंगा दर्शन से (गैण्डखाल मुरला मार्ग) से ग्राम मंजोली हेतु पी. एम. जी. एस. वाई. के अन्तर्गत दि० 01-12-2012 से 02-12-2012 को निष्पादित सर्वे की ग्रामवासी ग्राम मंजोली द्वारा सन्तुष्टी व अनापत्ति प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अन्तर्गत शादणाखाल गंगा दर्शन से उपरोक्त दिनांक को सर्वेक्षण टीम द्वारा ग्राम मंजोली-गल्डगी तक सर्वेक्षण कार्य सम्पन्न किया गया है कि इस सर्वेक्षण से ग्रामवासी पूर्ण रूप से सन्तुष्ट व सहमत है सर्वे कार्य के दौरान हमारी जो भी नाप व बे नाप भूमी आ रही है उस पर ग्रामवासी मंजोली को किसी प्रकार की आपत्ति नहीं है इस सर्वेक्षण कार्य को प्रथम व अंतिम सर्वेक्षण [illegible] कार्य मान लिया जाए इससे पूर्व जो सर्वेक्षण कार्य किया गया था उस सर्वेक्षण कार्य से ग्रामवासी पूर्ण रूप से सन्तुष्ट व सहमत नही थे अत: जो सर्वेक्षण कार्य इस समय किया गया है उससे हम पूर्ण रूप से सन्तुष्ट व सहमत है अत: हम ग्रामवासी सर्वेक्षण (सर्वे टीम) को तह दिल से धन्यवाद करते है तथा निवेदन करते है कि इस सर्वे पर शिघ्र अति शिघ्र टेंडर लगवाने की महान कृपा की जियेगा।

धन्यवाद।

संलग्न - ग्रामवासीयो द्वारा निष्पादित दि० 14.8.2012 का अनापत्ति प्रमाण पत्र संलग्न किया गया है

D Rawat 3/12/2012

[stamp]

हस्ताक्षर:
M S Rawat
गजेन्द्र
गम्भीर सिंह
किशनसिंह
चन्द्रमती देवी
जयानन्द
गोदम्बरी देवी
सरस्वती देवी
सुनी देवी
आनन्द
भारत सिंह
जगमोहन सिंह
(अशपाल)
(रामपाल)
बेताल सिंह
नन्दकिशोर
दिलवर
Balam
उत्तम सिंह
RP
गंगा देवी

2.24 (III)

ग्राम डांगरवाल गंगा दर्शन से
ग्राम मंजोखी हेतु पी.एम.जी.एस.वाई.
के अंतर्गत ग्रामवासियों द्वारा
अनापत्ति-प्रमाण पत्र

हम समस्त हस्ताक्षरित ग्राम वासी ग्राम मंजोखी शपथपूर्वक यह कथन करते हैं कि हम सभी ग्रामवासी डांगरवाल गंगा दर्शन से ग्राम मंजोखी हेतु पी.एम.जी.एस. वाई. के अंतर्गत निर्माण करवाने में किसी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न नहीं करेंगे हम सब ग्रामवासी [illegible] उक्त मार्ग के निर्माण हेतु अपनी-2 भूमि देने को पूरी होश-हवास से तैयार हैं तथा हमारी ओर से पूरा सहयोग किया जायेगा अगर हमारे द्वारा मुकराजाता है तो कोर्ट की मदद लिया जा सकता है,

अतः हम उक्त एवं द्वारा पुनः स्मरण किया है वचनबद्धता से कहते हैं कि हम सभी अपनी-2 भूमि उक्त के रोड हेतु देने में पूरी होश हवाश के साथ तैयार हैं

ग्रामवासियों के हस्ताक्षर

[signatures]

True copy of original document.
[signature] 31/07/2012

प्रमाणित किया जाता है अनापत्ति प्रमाण पत्र में हस्ताक्षरित ग्रामवासियों द्वारा मेरे समक्ष हस्ताक्षर किये गये

प्रधान ग्राम पंचायत असगत
वि० ख० द्वारीखाल (पौड़ी गढ़वाल)
[signature] 14-07-2012

2.25

प्रपत्र 32

परियोजना का नाम	:–	जनपद पौडी गढवाल में प्रधानमन्त्री ग्रामीण सड़क योजना के अन्तर्गत प्रस्तावित कि0मी0 57 के टी02 (ओ0डी0आर0) से मंजोखी मोटर मार्ग (7.600 कि0मी0) के नव निर्माण हेतु वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव।

भवन निर्माण आदि प्रकरणों में ले–आउट प्लान

लागू नहीं है।

कनिष्ठ अभियन्ता
सिंचाई खण्ड,,
पी0एम0जी0एस0वाई0, कोटद्वार,
पौड़ी गढवाल

सहायक अभियन्ता
सिंचाई खण्ड,,
पी0एम0जी0एस0वाई0, कोटद्वार,
पौड़ी गढवाल

अधिशासी अभियन्ता
सिंचाई खण्ड,,
पी0एम0जी0एस0वाई0, कोटद्वार,
पौड़ी गढवाल

2.26

प्रपत्र 31

परियोजना का नाम	:–	**जनपद पौडी गढवाल में प्रधानमन्त्री ग्रामीण सड़क योजना के अर्न्तगत प्रस्तावित कि0मी0 57 के टी02 (ओ0डी0आर0) से मंजोखी मोटर मार्ग (7.600 कि0मी0) के नव निर्माण हेतु वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव।**

परियोजना के विभिन्न घटकों का मदवार विवरण। (केवल जल विद्युत परियोजनाओं हेतु)

(लागू नहीं है)

कनिष्ठ अभियन्ता
सिंचाई खण्ड,,
पी0एम0जी0एस0वाई0, कोटद्वार,
पौड़ी गढवाल

सहायक अभियन्ता
सिंचाई खण्ड,,
पी0एम0जी0एस0वाई0, कोटद्वार,
पौड़ी गढवाल

अधिशासी अभियन्ता
सिंचाई खण्ड,,
पी0एम0जी0एस0वाई0, कोटद्वार,
पौड़ी गढवाल

वन क्षेत्राधिकारी
वन क्षेत्राधिकारी
थैलीसैंण रेन्ज

उप प्रभागीय वनाधिकारी
भूमि संरक्षण वन प्रभाग
लैंसडौन (गढ़वाल)

प्रभागीय वनाधिकारी

प्रपत्र–18

परियोजना का नाम	:–	जनपद पौडी गढवाल में प्रधानमन्त्री ग्रामीण सड़क योजना के अर्न्तगत प्रस्तावित कि0मी0 57 के टी02 (ओ0डी0आर0) से मंजोखी मोटर मार्ग (7.600 कि0मी0) के नव निर्माण हेतु वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव।

कार्य प्रारम्भ न होने का प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि प्रयोक्ता एजेन्सी द्वारा आवेदित भूमि पर कोई निर्माण कार्य प्रारम्भ नहीं किया गया है। भारत सरकार से वन संरक्षण अधिनियम, 1980 के अर्न्तगत स्वीकृति प्राप्त होने के उपरान्त ही निर्माण कार्य प्रारम्भ किया जायेगा।

कनिष्ट अभियन्ता सिंचाई खण्ड,, पी0एम0जी0एस0वाई0, कोटद्वार, पौड़ी गढवाल	सहायक अभियन्ता सिंचाई खण्ड,, पी0एम0जी0एस0वाई0, कोटद्वार, पौड़ी गढवाल	अधिशासी अभियन्ता सिंचाई खण्ड,, पी0एम0जी0एस0वाई0, कोटद्वार, पौड़ी गढवाल

वन क्षेत्राधिकारी वन क्षे... वलूसिंण ...	उप प्रभागीय वनाधिकारी भूमि संरक्षण वन प्रभाग लैंसडान (गढवाल)	प्रभागीय वनाधिकारी

2.28 (I)

प्रपत्र 33

परियोजना का नाम	:–	जनपद पौडी गढवाल में प्रधानमन्त्री ग्रामीण सड़क योजना के अर्न्तगत प्रस्तावित कि0मी0 57 के टी02 (ओ0डी0आर0) से मंजोखी मोटर मार्ग (7.600 कि0मी0) के नव निर्माण हेतु वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव।

प्रस्तावित स्थल की भू–वैज्ञानिक द्वारा निर्गत निरीक्षण आख्या संलग्न

कनिष्ट अभियन्ता
सिंचाई खण्ड,,
पी0एम0जी0एस0वाई0, कोटद्वार,
पौड़ी गढवाल

सहायक अभियन्ता
सिंचाई खण्ड,,
पी0एम0जी0एस0वाई0, कोटद्वार,
पौड़ी गढवाल

अधिशासी अभियन्ता
सिंचाई खण्ड,,
पी0एम0जी0एस0वाई0, कोटद्वार,
पौड़ी गढवाल

2.28 (II)

भूगर्भीय आख्या

थक0मी0 57 के टी02 (ओ0डी0आर0) से मंजोखी मोटर मार्ग, जनपद पौडी गढवाल समरेखण स्थल की भू–गर्भीय आख्या।

1. प्रस्तावनाः– सिचाई खण्ड, लोक निर्माण विभाग, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, कोटद्वार (पौडी गढवाल) द्वारा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत थक0मी0 57 के टी02 (ओ0डी0आर0) से मंजोखी मोटर मार्ग कुल लम्बाई 7.625 किमी0 का निर्माण प्रस्तावित है। अधिषासी अभियन्ता सिचाई खण्ड, लोक निर्माण विभाग, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, कोटद्वार (पौडी गढवाल) के अनुरोध पर उक्त स्थल के समरेखण स्थल को भू–गर्भीय निरीक्षण अधोहस्ताक्षरी द्वारा दिनाँक 15.12. 2012 को मेगोट इनजीनियरिगं कन्सलटेन्सी प्रा0 लि0, देहरादून के कर्मचारी की उपस्थिति में किया गया।

2. स्थितिः– उक्त मोटर मार्ग का समरेखण स्थल जनपद पौडी गढवाल के निर्माणधीन गुमखाल से ऋषिकेष के कि0मी0 17 से प्रस्तावित मोटर मार्ग में स्थित है । उक्त मोटर मार्ग में 03 हेयर पिन बैंड है।

3. भू–गर्भीय स्थितिः– प्रस्तावित समरेखण स्थल गढ़वाल लेसर हिमालय में स्थित है जो कि दक्षिण में मेन बाउन्ड्री थ्रस्ट (MBT) एवं उत्तर में मेन सेन्ट्रल थ्रस्ट (MCT) द्वारा सीमित है। समरेखण स्थल के क्षेत्र में गढ़वाल ग्रुप के थिनली फोलिएटेड क्वार्टजाइटस विद्यमान है, जो कि अनेक माइनर एवं जेरक षियर्स एवं चार संधियों से युक्त है। प्रस्तावित मार्ग का प्रारम्भिक भाग 38^0 से 55^0 के झुके ढलानों से होकर गुजरेगा, जिस पर अवस्थिल शैल दृष्टिगोचर है। मार्ग के कतिपय स्थानों पर ढालों की तीव्रता 60^0 है तथा इन स्थानों पर मैसिव चट्टानें अवस्थित दृष्टिगोचर है। समरेखण का लगभग 3.500 किमी भाग 34^0 से 46^0 के कोण पर झुके N की दिषा में उन्मुख ढालों से होकर गुजरता है जो किथिक ओवर बर्डन मैटेरियल/रेजीडुअल सायल से ढके हुए है। इन ढालों पर स्थित ओवर बर्डन मैटेरियल/रेजीडुअल सायल की अन्ड्रेन्ड षिर स्ट्रेन्थ 100 K Pa से 150 K Pa तक स्थल पर आंकी गई, स्थल के फ्रेष, कोम्पेक्ट, पार्सियली वेदर्ड है तथा षियर्ड/सैटर्ड, थिनली फोलिएटेड है। इन क्वार्टजाइटस की संधिया परस्पर वेज (Wedge) का निर्माण करती है। स्थल पर इन षैलों को सुनिएक्सियल कम्प्रेसिव स्ट्रेन्थ अलग–अलग स्थानों पर 20–30 M Pa तथा 100–150 M Pa (ISRM-Manual Index) तक आंकी गई। प्रथमदृष्टया समरेखण स्थल एवं इसके समीप के क्षेत्र में कही भी भू–स्खलन/भू–धंसाव दृष्टिगोचर नहीं है। प्रस्तावित मार्ग का अधिकतम मार्ग सनी फेस से होकर गुजरता है।

समरेखण क्षेत्र की भू–गर्भीय स्थिति, भू–तकनीकी आंकलन, भू–आकृति एवं उक्त प्रस्तर में वर्णित तथ्यों को ध्यान में रखते हुए निम्न सुझाव दिये जा रहें है,

2.28 (III)

4. सुझावः–

1- मार्ग की चौड़ाई यथा सम्भव पार्ट कर/पार्ट फिल द्वारा की जाए न कि हिल साईड स्लोप को काट कर।

2- चट्‌टानी भागों की गुणवत्ता को बनाएँ रखने के लिये इन पर सीमित विस्फोट किये जाये।

3- सड़क की स्थिरता के लिए उचित Drainage की व्यवस्था की जाये।

4- जहां पर आवष्यकता हो, रिटेनिंग/ब्रैस्ट वॉल का निर्माण किया जाये।

5- पहाड़ी क्षेत्र में बनने वाले मार्गों के लिए निर्धारित सिविल अभियान्त्रिक विषिष्टियों एवं मानकों का पालन किया जाए।

5. **निष्कर्षः–** समरेखण स्थल पर किए गए भू–गर्भीय अध्ययन के आधार पर उपरोक्त सुझाव का अनुपालन करते हुए यह समरेखण मार्ग बनाने हेतु उपयुक्त है।

छाया प्रति सत्यापित

सहायक अभियन्ता चतुर्थ
सिंचाई खण्ड (लो0नि0वि0
कोटद्वार (गढ़वाल)

(J N Dhaundiyal)
Director
Engineering Geology Division
Geological Survey of India

प्रपत्र–35 2.29

Task Force Certificate

(i) Lay out of the Land to be followed as far as possible.
(ii) Heavy cutting/filling be avoided as far as possible. The technology of cut and fill method is to be adopted steep hill slope as also to be avoided
(iii) Unstable/slide-prone areas to be avoided. For identifying such areas the advice of Geotechnical Engineers and Geologists to be taken during the survey for alignment.
(iv) Comparison of various possible alignments with reference to erosion potential be made and the alignment involving minimum erosion risks be preferred.

A part from the stage of planning the road alignment, effective steps are also required to be taken by ground Engineer during the process of road construction for minimized ecological disturbance to the hill roads. Broadly the measures to be taken have been identified as :-

1. Cut and fill method to be adopted while excavating for road formation and heavy earth cutting is to be avoided. Box cutting is to be avoided to the extent possible.
2. Blasting by explosives is to be restricted to the minimum Lay out of holes to be drilled for blasting is to be planned keeping in view the line of least resistance and the existence of joints controlled blasting should be repeated using low charge and care be taken to avoid activating slide zones or widening fissures and cracks in rock Use of delay detonators in large scale basting work is to be made for aniline dispersion of chock waves, so that minimum disturbance is caused to the rock stratum as a result of the blasting process
3. All cut slopes, unusable hill side and slide prone erosion prone areas are to be provided with suitable correction measures by using one or the other of the techniques developed by CRRI. Several techniques have been sponsored by CRRI like simple vegetative turning, bitumen much treatment and slide treatment by jute netting coir netting of these simple vegetative turning seems to be the most appropriate preventive measure in many situations. This should be established in the denuded slopes immediately after the excavation is made

(v) Adequate drainage measures and protective structures like intercepting catch water drains, longitudinal drains/culverts, breast walls, retaining walls are provided for purposes of establishing the slips. Growth vegetative cover is stimulated in the disturbed hill slops above the road level by planting suitable fast growing shrubs and plants

In certain selected unstable areas terraced has also been plasticized as a stabilizing measure with god results

(vi) Over the past few years the roads wing of the Ministry of Shipping and transport has issued instruction laying down broad guide lines and check list of the preparation of road construction projects which provide an inbuilt mechanism of tacking land slides/erosion control for the guidance and follow up action by engineers of state 'PWD' Border Roads Organization and other engaged in construction of hill roads these should be observed

प्रमाणित किया जाता है कि योजना आयोग द्वारा गठित टास्क फोर्स द्वारा प्रदत्त उक्त संस्तुतियाँ का परियोजना के निर्माण के दौरान अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

कनिष्ठ अभियन्ता सिंचाई खण्ड,, पी0एम0जी0एस0वाई0, कोटद्वार, पौड़ी गढवाल	सहायक अभियन्ता सिंचाई खण्ड,, पी0एम0जी0एस0वाई0, कोटद्वार, पौड़ी गढवाल	अधिशासी अभियन्ता सिंचाई खण्ड,, पी0एम0जी0एस0वाई0, कोटद्वार, पौड़ी गढवाल